भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 221

मंगलवार, 16 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

नासिक में संभार-तंत्र (लॉजिस्टिक्स) पार्क

***221. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजेः**

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नासिक में संभार-तंत्र (लॉजिस्टिक्स) पार्क की लंबे समय से मांग की जा रही है जिससे पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार होने की संभावना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग के साथ नासिक की निकटता और एक प्रमुख कृषि-निर्यात केन्द्र के रूप में इसकी संभावना के बावजूद इसके कार्यान्वयन में विलंब के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने रोजगार सृजन करने, परिवहन लागत को कम करने और स्थानीय उद्योगों को सहायता प्रदान करने में संभार-तंत्र पार्क के आर्थिक प्रभाव के संबंध में कोई अध्ययन कराया है;

(घ) क्या सरकार का विचार स्पष्ट समय-सीमा, बजट आबंटन और निजी निवेश को सहायता प्रदान करने के साथ नासिक संभार-तंत्र पार्क में तेजी लाने का है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसे कब तक पूरा किए जाने की संभावना है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

दिनांक 16.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 221 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ङ): मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) ऐसे बड़े और एकीकृत मालभाड़ा केंद्र हैं, जिन्हें सड़क, रेल, समुद्री और हवाई यातायात को जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें भंडारण, माल की हैंडलिंग और वितरण सुविधाएँ होती हैं, ये तेजी से डिलीवरी करते हैं, तथा मल्टी-मोडेलिटी, कुशल भंडारण और मूल्य संवर्धन प्रदान करके आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार लाते हैं।

भारत सरकार ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के ज़रिए प्रमुख लॉजिस्टिक्स केंद्रों में मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) विकसित करने का निर्णय लिया है ताकि भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जा सके, लॉजिस्टिक्स लागत और भीड़भाड़ को कम किया जा सके।

एमएमएलपी के मुख्य लाभों में सड़क, रेल, वायुमार्ग और समुद्रीमार्ग जैसे कई परिवहन साधनों को एक ही स्थान पर जोड़कर इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट की सुविधा, माल का उन्नत भंडारण और हैंडलिंग, कुशलता से परिवहन साधनों में परिवर्तन (जैसे, सड़क से रेल) को सक्षम बनाकर परिवहन और हैंडलिंग लागत को कम करके लागत में कमी, मूल्य संवर्धन जैसे छँटाई/ग्रेडिंग, पैकेजिंग, लेबलिंग, असेंबलिंग आदि शामिल हैं। ये डिलीवरी में तेजी लाकर, मालसूची प्रबंधन में सुधार करके, और कार्गो हैंडलिंग और ट्रैकिंग में वृद्धि करके लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाते हैं।

पीएम गतिशक्ति (पीएमजीएस), एमएमएलपी की प्लानिंग करने में कई प्रकार से सहायता प्रदान करता है। एमएमएलपी परियोजना की प्लानिंग में पीएमजीएस से होने वाले लाभों में प्रस्तावित स्थलों के आस-पास सड़क, रेल, हवाई मार्ग, जलमार्ग और अन्य सामाजिक-आर्थिक परिसंपत्तियों को विजुअलाइज करते हुए उपयुक्त स्थल का पता लगाना, वन और प्राकृतिक संसाधनों को होने वाली क्षति को कम करना, जीआईएस-आधारित लेयर्स के माध्यम से सड़कों, रेलवे लाइनों, भूमिगत उपयोगिताओं के इंटरसेक्शन की पहचान करना तथा पीएमजीएस पर उपलब्ध कैडस्ट्रल/खसरा-स्तरीय भूमि डाटा को विजुअलाइज करके एमएमएलपी के लिए भूमि अधिग्रहण करना शामिल है।

सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधीन एक कंपनी मैसर्स नेशनल हाइवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा महाराष्ट्र के नासिक में लगभग 850 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से एक मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) विकसित करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में, यह परियोजना मूल्यांकन के स्तर पर है और अभी इसे अनुमोदन प्रदान किया जाना है। यह परियोजना अनुमोदन/मंजूरी के पश्चात तीन चरणों में कार्यान्वित की जाएगी। अनुमोदन/मंजूरी के बाद, परियोजना के प्रथम चरण का कार्य पूरा होने में तीन वर्ष का समय लगने का अनुमान है।

इस सुविधा का उद्देश्य, माल की बेहतर आवाजाही के लिए सड़क और रेल परिवहन को जोड़कर लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और शहरी क्षेत्रों में भीड़-भाड़ को कम करना है। इस परियोजना का लक्ष्य, नासिक में एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स हब स्थापित करके शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास (जेएनपीटी) की भूमिका को और बढ़ाना तथा कुल माल हैंडलिंग क्षमता (कार्गो थ्रूपुट) में सुधार करना है। प्रस्तावित स्थल प्रमुख राजमार्गों और मुंबई-नागपुर रेलवे लाइन के माध्यम से उत्कृष्ट रूप से जुड़ा हुआ है, जो जेएनपीटी समुद्री पत्तन से लगभग 220 किलोमीटर दूर है।

एनएचएलएमएल द्वारा वर्तमान में चेन्नई, बेंगलुरु, नागपुर और इंदौर में कार्यान्वित की जा रही एमएमएलपी परियोजनाओं के पूरा होने और वाणिज्यिक प्रचालन शुरू करने के बाद ही रोजगार सृजन, परिवहन लागत में कमी और स्थानीय उद्योगों के विकास में सहायक होने आदि पर एमएमएलपी के आर्थिक प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है।

*****